बालमन

कैमूर

Powered by Teachers of Bihar

वर्ष 2023

माह जुलाई

अंक 19

प्रधान संपादक :- धीरज कुमार [U.M.S. सिलौटा भभुआ (कैमूर)]

Dheeraj Kumar- +91 9431680675

Teachers of Bihar - +91 7250818080

info@teachersofbihar.org | teachersofbihar@gmail.com

wwww.teachersofbihar.org

कार्यालय जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर (भभुआ)
शिक्षा भवन, भागीरथी मुक्ताकाश मंच भभुआ,
(मो०-9544411411 email-deokaimur.edn@gmail.com)

"शुभकामना संदेश"

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि विद्यालय के छात्र/छात्राओं को जागरूक बनाने तथा प्रतिभावान बच्चों के प्रतिभा का प्रदर्शन विभिन्न स्तर पर करने के उददेश्य से "बाल मन कैमूर" पत्रिका का मासिक प्रकाशन किया जा रहा है।

इस प्रकार के प्रकाशन, बच्चों के सृजनात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त होगा।

आशा है कि इस पत्रिका से बच्चे, शिक्षक एवं समाज में रचनात्मक सोच विकसित होगा।

मै सुमन शर्मा, जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर इस उपयोगी लेखन के लिए बधाई देते हुए "बाल मन कैमूर" के प्रकाशन की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

(सुमन शर्मा)
जिला शिक्षा पदाधिकारी
कैमूर (भभुआ)

सम्पादकीय

प्यारे बच्चों,

नमस्कार

मानसून के आ जाने से बारिश होने का सिलसिला जारी है।अच्छी फसल के लिए समय पर अच्छी बारिश किसानो के वरदान है।इस बरसात में आप सभी बच्चें अपना विशेष ध्यान रखेंगे।अपने शरीर की सफाई और आस -पास स्वच्छता रख कर आप खुद को और अपने परिवार को बीमारी से बचा सकते है।बिना वजह बारिश में ज्यादा भीगने से बचेंगे।खेतो और मैदानों में बारिश के समय आकाशीय बिजली से बच कर रहेंगे।

दिन - प्रतिदिन बालमन टीम द्वारा प्राप्त पोस्ट से आपके उत्साह को देख कर मुझे बहुत खुशी हो रही है। पत्रिका के इस अंक को आपको समर्पित करते हुए हमे बहुत खुशी हो रही है। आज का जमाना सोशल मीडिया का है।यदि आपके पास कला है तो उसे अपने शिक्षको से जरूर साझा करे और बालमन की टीम के माध्यम से उसे जरूर हम तक जरूर पहुंचाए।

हमारी TOB बाल मन कैमूर पत्रिका की टीम बेहतर से बेहतर करने के लिए सदा प्रयत्नशील है।अनजाने में कोई भूल या त्रुटि हुई हो तो उसके लिए हम क्षमाप्रार्थी है।हम आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते है।

आपका

धीरज कुमार

उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा

भभुआ(कैमूर)

TEACHERS OF BIHAR

बालमन कैमूर

प्रधान सहयोगी सदस्य

बालमन चांद प्रखंड

प्रमोद कुमार "निराला "(प्रधान संपादक बालमन चांद)

बालमन कुदरा प्रखंड

कमलेश कुमार (प्रधान संपादक बालमन कुदरा)

विज्ञान कॉर्नर

1.राजेश कुमार सिंह (महाबल भृगनाथ +2 उच्च माध्यमिक विद्यालय भभुआ)

दर्शनीय स्थल की जानकारी

1.कुमार राकेश मणि (UMS कोटा नुआंव)

रोचक गणित

कुमार राकेश मणि (UMS कोटा नुआंव)

कविता संग्रह टीम लीडर

खुश्बू कुमारी (UMS दुघरा भभुआ)

बालमन कविता

1.खुशी कुमारी,वर्ग 9(UHS केवढ़ी कुदरा)
2. रौशन कुमार,वर्ग 8(UMS भैसोंला कुदरा)
3. दिलीप कुमार ' गुप्त '(मध्य विद्यालय खीरी भगवानपुर)
4. एम. एस. हुसैन (UHS कटरा कला मोहनियां)
5. अशोक कुमार (NPS भटवलिया नुआंव)
6. मो. शाहिद (उर्दू प्राथमिक विद्यालय कोहारी भभुआ)
5.प्रेमशंकर(UHS खनेठी भभुआ)

कहानी संग्रह

1.डॉक्टर अशोक (पटना बिहार)

विशेष आभार

टीचर्स ऑफ बिहार के संस्थापक शिव कुमार सर और टेक्निकल सपोर्ट टीम लीडर शिवेंद्र सुमन सर सहित टीचर्स ऑफ बिहार परिवार के सभी टीम लीडर रोचक तथ्य,स्वास्थ्य सुझाव, विश्व के धरोहर,सुविचार,दिवस विशेष,खेल कॉर्नर,गणित कॉर्नर,जयंती विशेष ,दिवस प्रेरणा,पर्यावरण अध्ययन और शिक्षा शब्दकोश आदि के लिए टीम का विशेष आभार प्रकट करते है।

सुविचार

अगर आप में गलत को गलत कहने की क्षमता नहीं है

तो आपकी प्रतिभा व्यर्थ है।

- डॉ.भीमराव अंबेडक

Vishwa Vijay S

बिहार राज्य प्रार्थना गीत

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे
वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे
मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे
इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे
आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे
दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे
जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय बिहार

एम. आर. चिश्ती

www.teachersofbihar.org

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार, तुझको शत-शत वंदन बिहार
तू वाल्मीकि की रामायण, तू वैशाली का लोकतंत्र
तू बोधिसत्व की करूणा है, तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप, तू हीं अक्षत चंदन बिहार
तू है अशोक की धर्मध्वजा, तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह, तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि, धरती का नंदन वन बिहार
तेरी गौरव गाथा अपूर्व, तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान, अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक,
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार,
मेरे भारत के कंठहार

- सत्यनारायण

तू ही राम है, तू रहीम है

तू ही राम है, तू रहीम है
तू करीम, कृष्ण, खुदा हुआ।
तू ही वाहे गुरू, तू यीशु मसीह
हर नाम में तू समा रहा।
तू ही राम है.....

तेरी जात पाक कुरान में
तेरा दरस वेद–पुराण में।
गुरु–ग्रन्थ जी के बखान में
तू प्रकाश अपना दिखा रहा
तू ही राम है.....

अरदास है, कहीं की रतन
कहीं रामधुन, कहीं आवाहन।
विधि–वेद का यह सब रचन
तेरा भक्त तुझको बुला रहा।

तू ही राम है, तू रहीम है
तू करीम, कृष्ण, खुदा हुआ।

अभियान गीत

घर-घर अलख जगाएगें, हम बदलेंगे जमाना।।
निश्चय हमारा, ध्रुव सा अटल है।
काया की रग-रग में, निष्ठा का बल है।।
जागृति शंख बजायेंगे, हम बदलेंगे जमाना।
बदली हैं हमने अपनी दिशायें।
मंजिल नयी तय, करके दिखायें।।
धरती को स्वर्ग बनायेंगे, हम बदलेंगे जमाना।।
श्रम से बनायेंगे, माटी को सोना।
जीवन बनेगा, उपवन सलोना।।
मंगल सुमन खिलायेंगें, हम बदलेंगे जमाना।।
कोरी कल्पना की तोड़ेंगे कारा।
ममता की निर्मल, बहायेंगे धारा।।
समता की दीप जलायेंगे, हम बदलेंगे जमाना।।

टीचर्स ऑफ बिहार गीत

एम आर चिश्ती

चांद तारों को साथ लाएंगे,
हम बहारों को साथ लाएंगे।

जैसे आती नहीं नज़र दुनिया,
हम बनाएंगे वो हसीं दुनिया,
हौसला और अपनी मंज़िल से,
सब नज़ारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

प्रेम की रोशनी जो बिखेरेगी
और प्रतिभा सबकी निखेरेगी,
खींच लेंगे गगन से इंद्रधनुष
बहते धारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

हम हैं निर्माता अपने भारत के,
पूरे करने हैं सपने भारत के
हम कलम के वही सिपाही है
जो हज़ारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे....

हमने माना, टीचर्स ऑफ़ बिहार
दीप ऐसा जलाएगा इस बार,
हम नवाचारी शिक्षा की रह में
बेसहारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

www.teachersofbihar.org

TEACHERS OF BIHAR

बालमन प्रेरक प्रसंग

मोर की शिकायत

एक बार एक मोर था जो बहुत सुन्दर था, उसके पंख बेहद खूबसूरत थे। एक दिन खूब झम-झम बारिश हुई और मोर नाचने लगा। नाचते हुए वह अपनी खूबसूरती को निहार रहा था, पर अचानक उसका ध्यान उसकी आवाज पर गया, जो कि बेहद बेसुरा और कठोर था। इस बात का एहसास होते ही वह बेहद उदास हो गया और उसके आंखों में आंसू आ गएं। तभी अचानक, उसे एक कोयल गाती हुए सुनाई दी।

कोयल की मधुर आवाज को सुनकर, मोर को उसकी कमी एक बार फिर एहसास हुआ। वह सोचने लगा कि भगवान ने उसे सुंदरता तो दी पर बेसुरा क्यों बनाया। तभी एक देवी प्रकट हुई और उन्होंने मोर से पूछा "मोर, तुम क्यों उदास हो?"

मोर ने देवी से अपनी कठोर आवाज के बारे में शिकायत की और उनसे पूछा, "कोयल की आवाज इतनी मीठी है पर मेरी क्यों नहीं? इसलिए मैं दुखी हूँ।

अब मोर की बात सुनकर, देवी ने समझाया, "भगवान के द्वारा सभी का हिस्सा निर्धारित है, हर जीव अपने तरीके से खास होता है। भगवान ने उन्हें अलग-अलग बनाया है और वे एक निश्चित काम के लिए हैं। उन्होंने मोर को सुंदरता दी, शेर को ताकत और कोयल को मीठी आवाज! हमें भगवान के दिए इन उपहारों का सम्मान करना चाहिए और जितना है उतने में ही खुश रहना चाहिए।"

देवी की बातों को सुनकर मोर समझ गया कि दूसरों से तुलना नहीं करनी चाहिए बल्कि खुद के हुनर की सराहना करनी चाहिए और उसे और निखारना चाहिए। मोर उस दिन समझा कि हर व्यक्ति किसी न किसी तरह से यूनिक होता है।

सोशल मीडिया से

5 अंतर खोजे

आप तैयार है न...

Teachers of Bihar

The change makers

विश्व के धरोहर एवं रोचक तथ्य

विश्व के धरोहर

लाल क़िला

लाल क़िला, दिल्ली के ऐतिहासिक, क़िलेबंद, पुरानी दिल्ली के इलाके में स्थित, लाल बलुआ पत्थर से निर्मित है। किले को "लाल किला", इसकी दीवारों के लाल-लाल रंग के कारण कहा जाता है। इस ऐतिहासिक किले को वर्ष २००७ में युनेस्को द्वारा एक विश्व धरोहर स्थल चयनित किया गया था। भारत की राजधानी दिल्ली में स्थित लाल किला **(Lal Kila)** देश की आन-बान शान और देश की आजादी का प्रतीक है। मुगल काल में बना यह ऐतिहासक स्मारक विश्व धरोहर की लिस्ट में शामिल है और भारत के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। लाल किला के सौंदर्य, भव्यता और आर्कषण को देखने दुनिया के कोने-कोने से लोग आते हैं और इसकी शाही बनावट और अनूठी वास्तुकला की प्रशंसा करते हैं।

यह शाही किला मुगल बादशाहों का न सिर्फ राजनीतिक केन्द्र है बल्कि यह औपचारिक केन्द्र भी हुआ करता था, जिस पर करीब **200** सालों तक मुगल वंश के शासकों का राज रहा। देश की जंग-ए-आजादी का गवाह रहा लाल किला मुगलकालीन वास्तुकला, सृजनात्मकता और सौंदर्य का अनुपम और अनूठा उदाहरण है।

1648 ईसवी में बने इस भव्य किले के अंदर एक बेहद सुंदर संग्रहालय भी बना हुआ है। करीब **250** एकड़ जमीन में फैला यह भव्य किला मुगल राजशाही और ब्रिटिशर्स के खिलाफ गहरे संघर्ष की दास्तान बयां करता हैं। वहीं भारत का राष्ट्रीय गौरव माने जाना वाला इस किले का इतिहास बेहद दिलचस्प है।

रोचक तथ्य

- मनुष्य के हाथ की सर्वाधिक संवेदनशील अंगुली अँगूठे के पास वाली अंगुली है।

. प्राचीन रोम में नमक सबसे कीमती चीज मानी जाती थी जिस वजह से रोमन सैनिकों को वेतन के बदले नमक दिया जाता था।

ब्लू व्हेल एक बार में 2 हजार गुब्बारे जितनी सांस लेती है और इतनी ही सांसों को छोड़ती है।

अंतरिक्ष में हवा नहीं होती है, इसलिए अंतरिक्ष में आवाज नहीं सुनाई देता है।

अमरेन्द्र कुमार
डिस्ट्रिक्ट मेंटर (TOB)
रोहतास

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

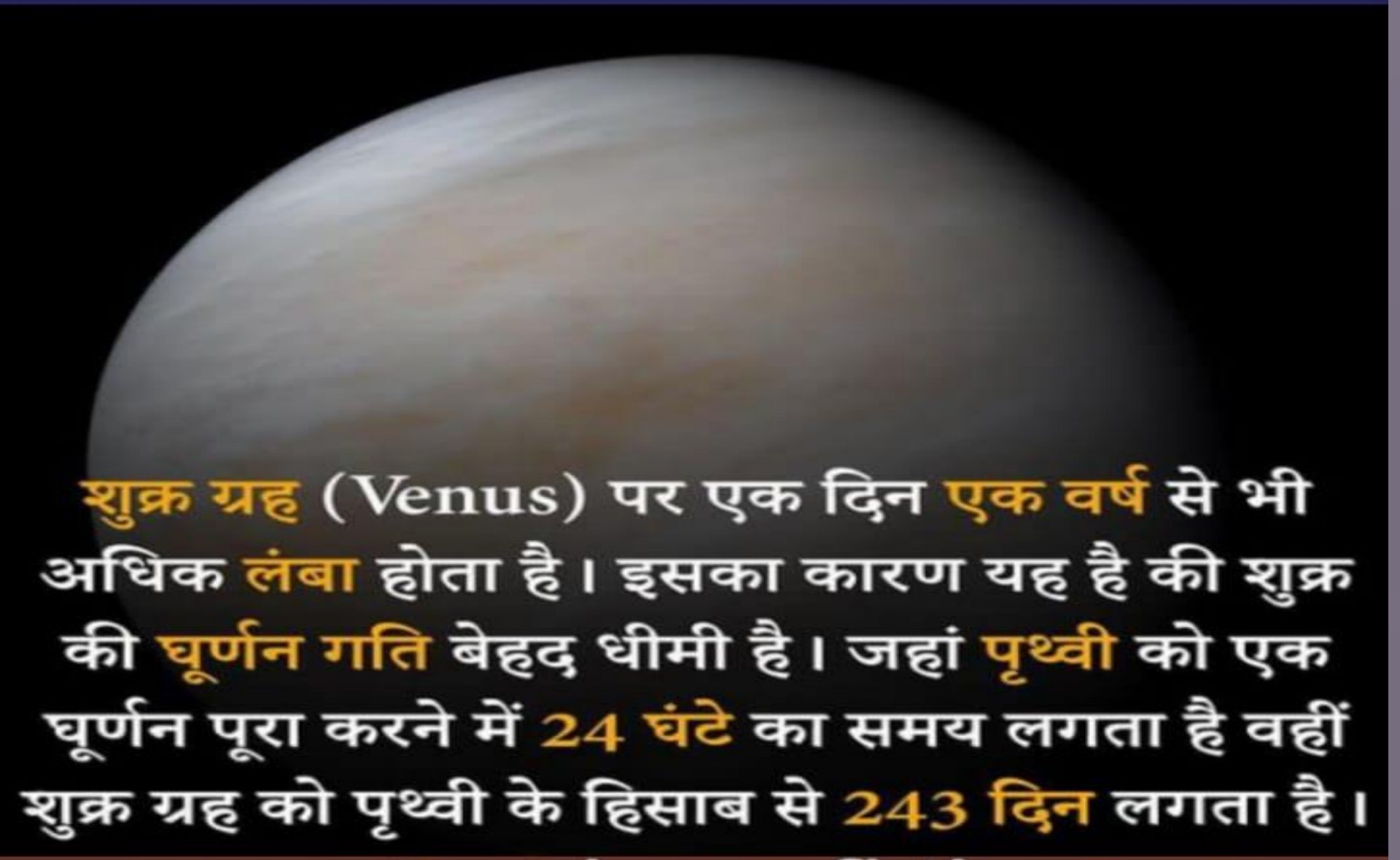

शुक्र ग्रह (Venus) पर एक दिन एक वर्ष से भी अधिक लंबा होता है। इसका कारण यह है की शुक्र की घूर्णन गति बेहद धीमी है। जहां पृथ्वी को एक घूर्णन पूरा करने में 24 घंटे का समय लगता है वहीं शुक्र ग्रह को पृथ्वी के हिसाब से 243 दिन लगता है।

ToB बालमन नन्हें कलाकार

भाग - 1

नाम शिवा वर्ग-5
अनु०जाति उत्क्र० मध्य विधालय सिकठी भभूआ

आकृति कुमारी, वर्ग-7
UMS अर्रा मोहनियां

राकेश कुमार कक्षा 8 मध्य विद्यालय पाढ़ी,चांद

हिमांशु कुमार वर्ग 7
कमित उच्च माध्यमिक विद्यालय छोटका कटरा मोहनियां कैमूर

छोटी कुमारी वर्ग 8
UMS खजरा मोहनियां

नन्हे कलाकार भाग 2

Deepiwala kumari
UM S Parmalpur
Class - 8
Bhabua

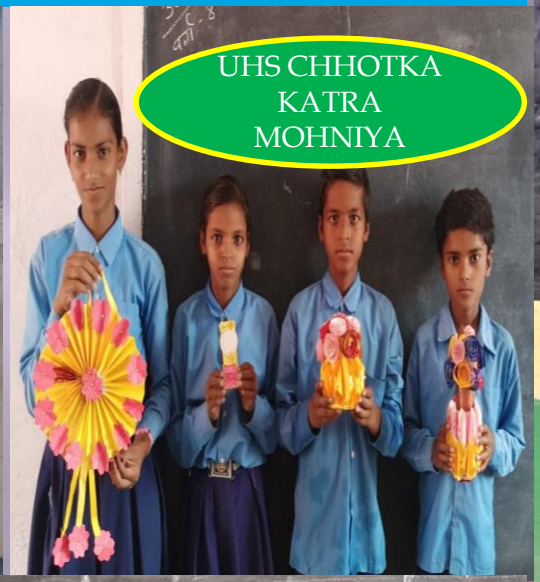
UHS CHHOTKA
KATRA
MOHNIYA

प्राथमिक विद्यालय
मोहम्मदपुर मोहनियां

अंशु कुमारी वर्ग वर्ग 7 उत्क्रमित उच्च
माध्यमिक विद्यालय छोटका कटरा
मोहनियां कैमूर

सभ्यता कुमारी, वर्ग 8,
उत्क्रमित मध्य विद्यालय
खजरा

अनुप्रिया कुमारी वर्ग 8 उत्क्रमित उच्च
माध्यमिक विद्यालय छोटका कटरा
मोहनियां कैमूर

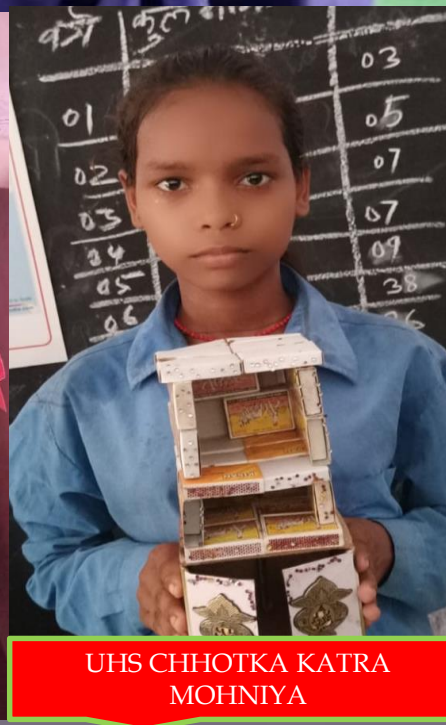
UHS CHHOTKA KATRA
MOHNIYA

नन्हे कलाकार भाग 3

UMS
SILAUTA
BHABUA

कागज की साइकिल
मध्य विद्यालय
अखलासपुर भभुआ

लक्ष्मी कुमारी और प्रियंका कुमारीवर्ग
8, UHS नरहन रामगढ़

, UHS नरहन रामगढ़

प्राथमिक विद्यालय मोहम्मदपुर
मोहनियां

UMS SILAUTA BHABUA

UMS DUGHRA BHABUA
ज्वैलरी बॉक्स

स्वास्थ्य सुझाव

अमरेंद्र कुमार

तनाव कई बीमारियों का कारण बन सकता है। दरअसल, जब हम हर चीज का दबाव लेने लगते हैं और जीवन के हर पहलू पर नकारात्मक रूप से सोचने लगते हैं, तब तनाव की स्थिति पैदा होती है। जब व्यक्ति को अत्यधिक तनाव होता है तो उसे लगातार सिरदर्द और अकड़न आदि समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए जितना हो सके तनाव से दूर रहें।

ToB बालमन कैमूर

अज़ब-गज़ब

1.यमन की राजधानी सना के पश्चिम में एक गांव है जिसका नाम 'अल-हुतैब' है।यह एक ऐसा गांव है जहां कभी भी बारिश नही होती।

2. मध्यप्रदेश के इंदौर में एक बारात में बारातियों को गर्मी से बचाने के लिए 11 कूलरों को लेकर लोग साथ में चल रहे थे, ताकि बारातियों को डांस करने में किसी प्रकार की दिक्कत न हो।

3. उत्तरप्रदेश के कुछ जिलों में फसलों को जानवरों से बचाने के लिए किसान भालू का पोशाक पहन कर खेतो में घूम रहें है।

4. लीबिया विश्व का एक ऐसा देश है जहां का 90% भूभाग मरुस्थल है।

5. शुतुरमुर्ग की आंख उसके दिमाग से बड़ी होती है और शतुर्गमुर्ग की एक लात शेर को भी जान से मार सकती है।"

धीरज कुमार
UMS सिलौटा भभुआ कैमूर

ToB बालमन कैमूर

थोड़ा मुस्कुरा भी दो ....

1.बारिश में दो दोस्त रानू और शानू मिले।

रानू: यार तुम्हारे छाते में छेद है ।

शानू : हां है।

रानू: फिर तुम छेद वाला छाता ले कर बारिश में क्यो आए?

शानू: अरे यार! बारिश रुक गई है या नही इसका पता कैसे चलेगा ?

2. पत्नी (गुस्से में): अजीब जमाना आ गया है अब तो तौलिए भी चोरी होने लगे है।

पति: मतलब

पत्नी : बरसात में छत पर कपड़ो के साथ दो तौलिए भी सूखने को डाले थे ,वो दोनो चोरी हो गए।

पति : कौन से तौलिए?

पत्नी : अरे ,वही तौलिए जो हम शिमला के होटल से उठा कर लाए थे।

आपके पेंटिंग भाग 1

प्रिया कुमारी
वर्ग 4
उत्क्रमित मध्य विद्यालय खजरा
मोहनियां

नेहा कुमारी
वर्ग 5
NPS बिंद टोला
बेतरी भभुआ

मध्य विद्यालय
अखलासपुर
भभुआ

अंशु कुमारी कक्षा 10
महाबल भृगुनाथ +2 उच्च विद्यालय, कोरिगावां बहेरा, कैमूर

आपके पेंटिंग भाग 2

शोभा कुमारी, वर्ग 8, उत्क्रमित
मध्य विद्यालय खजरा

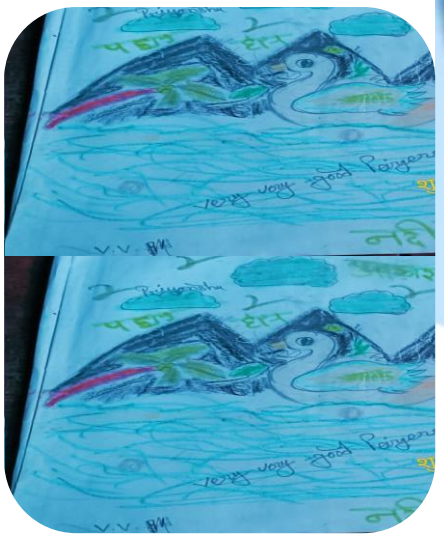

प्यासा कौवा
अश्वनी प्रजापति, वर्ग 2 ,उत्क्रमित मध्य विद्यालय खजरा

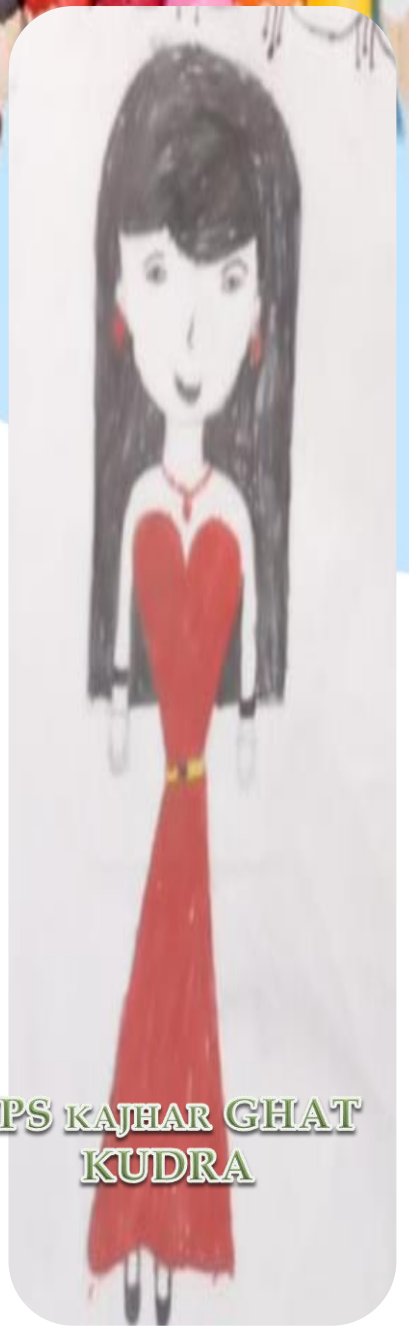
NPS KAJHAR GHAT
KUDRA

आपके पेंटिग भाग 3

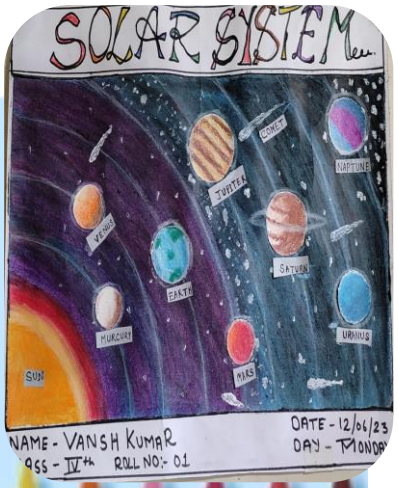

UMS SILAUTA BHABUA

UHS नरहन रामगढ़

NPS KAJHAR GHAT KUDRA

पेन और पेंसिल आर्ट

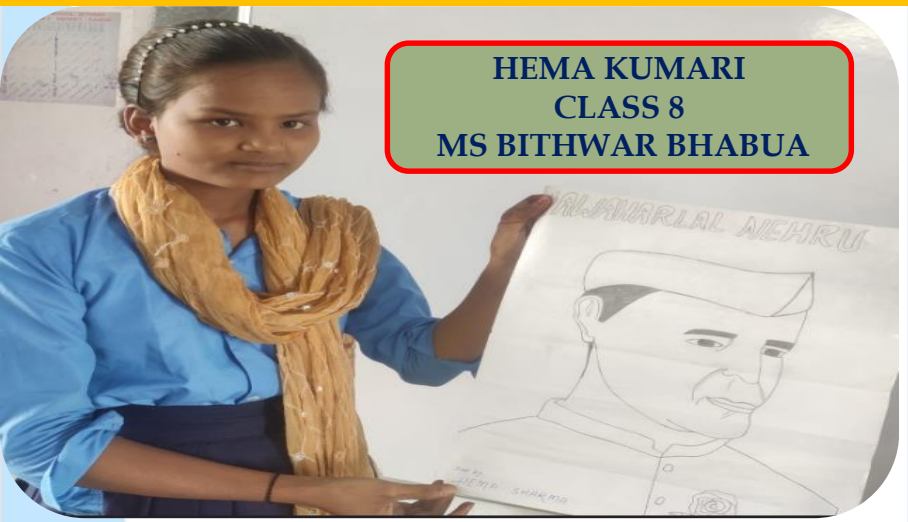

HEMA KUMARI
CLASS 8
MS BITHWAR BHABUA

M S PADHI CHAND

NPS BIND TOLA BETRI BHABU

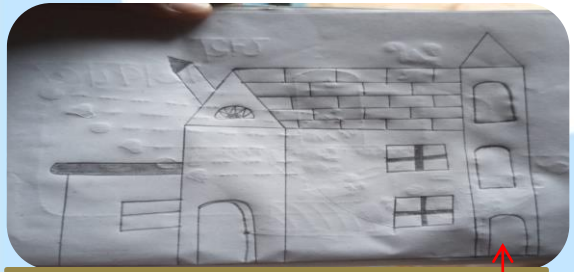

P S KATHAURA BHABUA

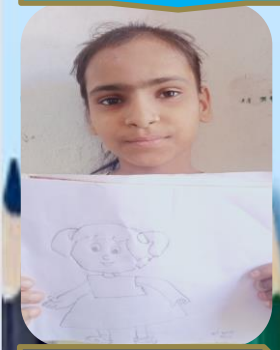

M S GAWAI BHABUA

Aarti kumari, class-
8 UHS narahan

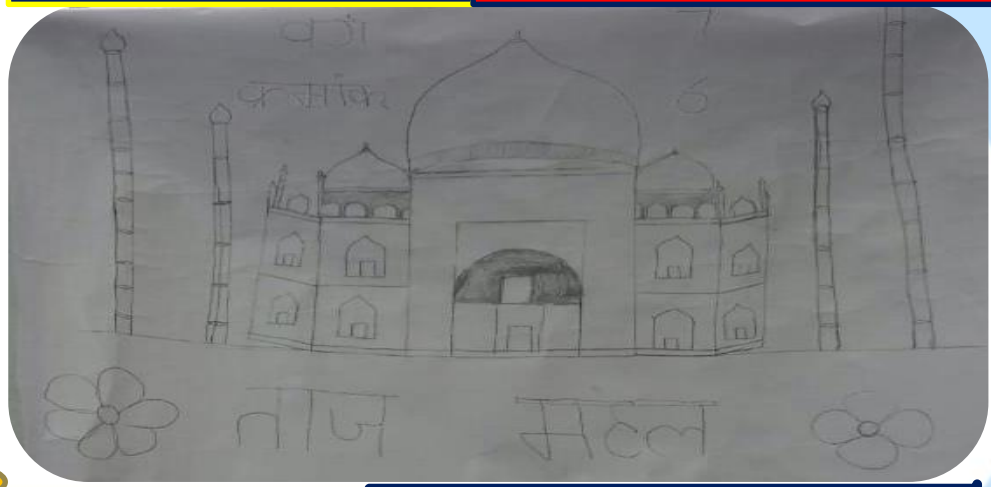

UMS ARRA MOHNIYA

बालमन

TOB बूझो तो जानें . .

धीरज कुमार

1

काले -काले छाते जब आते,
छाते से पानी बरसाते।

2

बादल से पानी ये पाती,
पहाड़ों से उतर कर
मैदानी में है आती।

3

सात रंग का उल्टा कटोरा,
बारिश के साथ
आकाश हैं बसेरा।

4

बारिश और धूप दोनो से बचाता हूं,
सबसे सर के ऊपर रह कर
खुद पर इठलाता हूं।

1. बादल 2. नदी
3. इंद्रधनुष 4. छाता

ToB बालमन क्विज
जुलाई 2023

1

विश्व में वार्षिक वर्षा का औसत कितना है ?

A.70 सेमी. B. 100सेमी.
C. 130सेमी.D. 160सेमी.

2

भारत में सबसे अधिक वर्षा कहां होती है?

A.चंडीगढ़ B. पटना
C. मासिनराम, चेरापूंजी.D. कोच्चि.

3

टोरनाडो का मुख्य संबंध है -

A.उत्तरी अमेरिका से B.भारत से
C. चीन से .D. दक्षिणी अफ्रीका से

4

इंद्रधनुष में कितने रंग होते है ?

A.एक B. दस
C. पांच D. सात

ANS. =1. B 2. A 3. C 4. D

धीरज कुमार
प्रधान संपादक बालमन

ToB बालमन कैमूर

जुलाई 2023

रोचक गणित

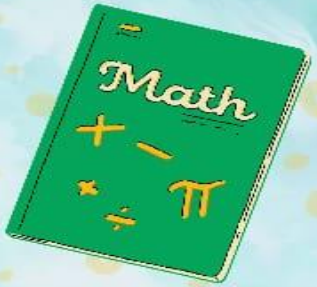

1. शून्य संख्या का प्रयोग पहली बार भारत में 5,000 साल पहले किया गया था।

2.अनंत के प्रतीक का प्रयोग पहली बार 5वीं शताब्दी ईसा पूर्व में प्राचीन यूनानियों द्वारा किया गया था।

3.गणित में पाई (π)के प्रतीक का उपयोग 1700 के दशक से किया जाता रहा है।

4.मिस्रवासी गुणन सारणी का उपयोग करने वाले पहले व्यक्ति थे।

5. 17वीं शताब्दी में आइजैक न्यूटन ने कैलकुलस का आविष्कार किया था।

6.त्रिकोणमितीय फलन [साइन(sin)कोसाइन (cos)और स्पर्शरेखा(tan)] का उपयोग पहली बार 10वीं शताब्दी में अरबों द्वारा किया गया था।

7.सबसे पुराना जीवित गणितीय प्रमाण पाइथागोरस प्रमेय है, जिसे पहली बार छठी शताब्दी ईसा पूर्व में प्राचीन यूनानियों द्वारा सिद्ध किया गया था।

कुमार राकेश मणि
उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय कोटा नुआंव कैमूर

सुरक्षित शनिवार

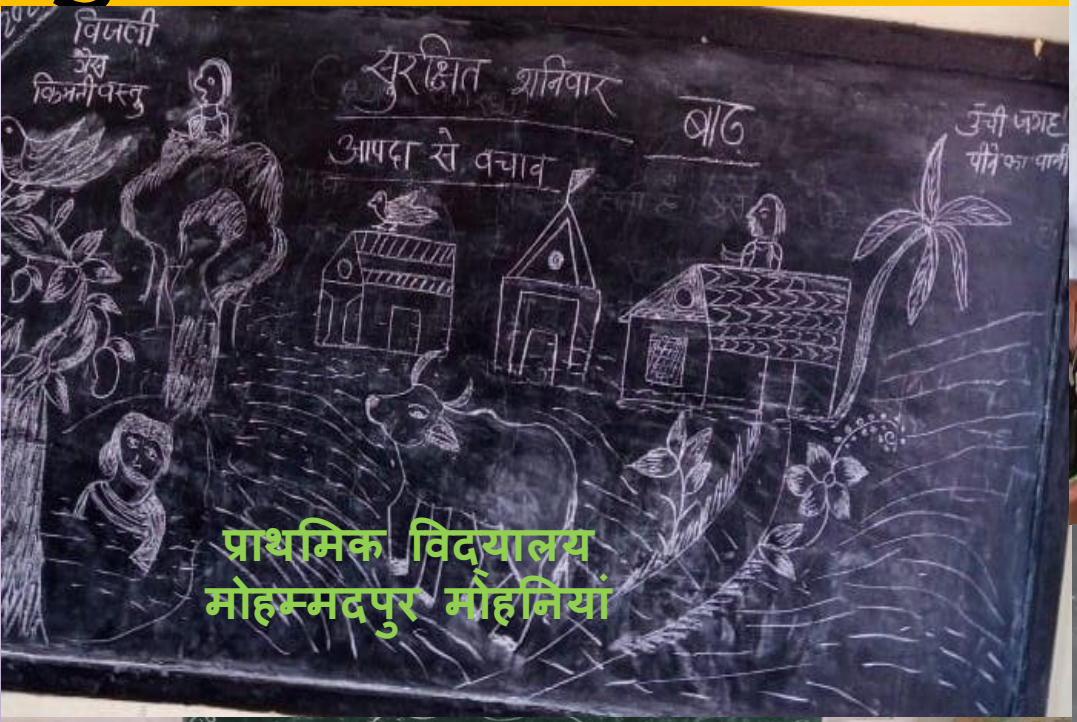
सुरक्षित शनिवार
बाढ़
आपदा से बचाव
प्राथमिक विद्यालय
मोहम्मदपुर मोहनियां

सुरक्षित शनिवार
U M S मुशिया नुआंव

वज्रपात से बचाव की जानकारी
UMS SILAUTA
BHABUA

01.07.2023
सुरक्षित शनिवार
UMS ARRA MOHNIYA

ToB बालमन

दर्शनीय स्थल

कुमार राकेश मणि
UHS कोटा नुआंव कैमूर

बिहार पर्यटन: कैमूर का बैजनाथ धाम

बैद्यनाथ गांव रामगढ़ ब्लॉक मुख्यालय से 9 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है। कैमूर के रामगढ़ प्रखण्ड स्थित बैजनाथ धाम की देश के दो प्रसिद्ध देवालयों से अनोखी समानता है। यहां झारखंड स्थित देवघर के वैद्यनाथ धाम के जलाभिषेक पद्धति व खजुराहो के मंदिरों की झलक दिखती है। तकरीबन एक हजार साल पुराने इस मंदिर को चंदेल शासकों ने बनवाया था। खजुराहो के कंदरिया महादेव मंदिर की तरह बैजनाथ मंदिर का भीतरी गुंबद दुर्लभ अष्टकोणीय है। खजुराहो मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में है। जबकि बैजनाथ धाम के बगल में आधा किलोमीटर की दूरी पर भी छतरपुरा गांव है। खजूराहो के मंदिरों की तरह ही बैजनाथ मंदिर की दीवारों पर उत्कीर्ण मूर्तियों पर प्रभाव दिखता है। खजुराहो के जैसी पशुओं व नर नारियों की आकृति पत्थरों पर उकेरी गई है। मकर तोरण द्वार, स्तनपान कराती मां व अर्द्धनग्न अप्सराओं समेत कई मूर्तियां आकर्षण का केन्द्र हैं।मंदिर में रखा शिवलिंग चारों तरफ से पत्थर से ढका हुआ है, नीचे एक कुआं है, जहां से पत्थर हटाने के बाद गैस निकलती है, इस कारण उसे चारों ओर से ढक दिया गया है। यहां की सभी मूर्तियां खंडित हैं क्योंकि सब जमीन के अंदर से निकली हैं। 1812 ईसवी में बुकानन और गैरिक गांव का यात्रा कर चुके हैं। गांव के पश्चिम में एक टीले पर नया शिव मंदिर जो 12 फीट के वर्गाकार में फैला है, इसमें प्राचीन मंदिरों की सामग्रियों का उपयोग किया गया है। गैरिक ने 1882 ईस्वी में इस टीले के एक भाग की खुदाई कराई थी. खुदाई में प्राचीन मंदिर के अवशेष प्राप्त हुए थे। गैरिक को यहां खुदाई के बाद तीन शिलालेख प्राप्त हुए थे। पहला मदन पाल देव के 9 वर्ष का था, जैसा कि कनिंघम ने पढ़ा था। दूसरे शिलालेख में सीता के साथ पांच और अक्षर लिखे थे और तीसरे शिलालेख में मकरध्वज जोगी 700 लिखा था, अभी तीसरा शिलालेख यहां बचा है।

मंदिर के मरम्मती एवं नवनिर्माण के चलते मंदिर की प्राचीन अवस्था में थोड़ा छेड़छाड़ हुआ है फिर भी मंदिर की भव्यता देखने लायक है। प्रसिद्ध मास श्रावण में यहां काफी लोग आते हैं और जल चढ़ाते हैं।

दर्शनीय स्थल

बिहार पर्यटन: कैमूर का बैजनाथ धाम

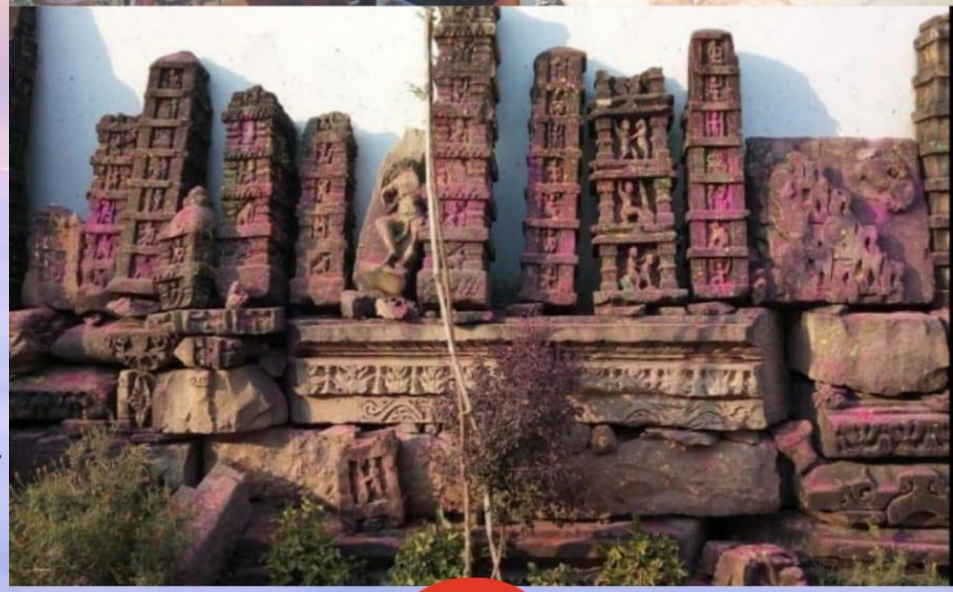

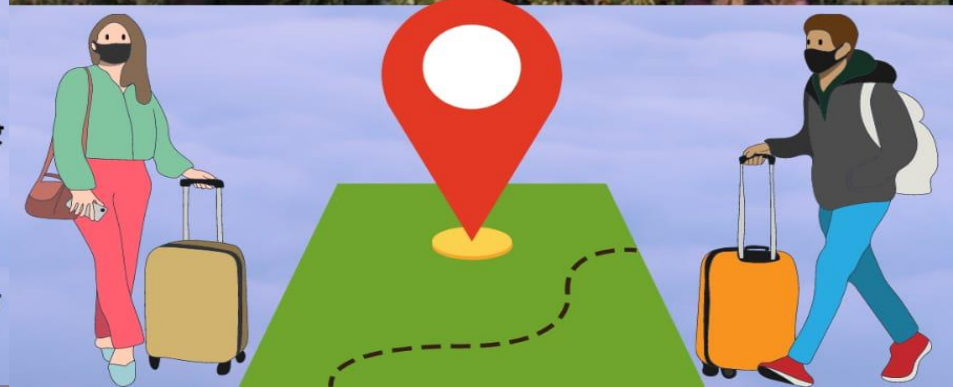

ToB बालमन कविता

5.मेला

घर के पास लगा था मेला,
उसमें आया चाट का ठेला।
हमने जाकर खाई चाट ,
ऐसे थे मेले के ठाठ ।।

घर के पास लगा था मेला ,
उसमें आया झूले वाला।
हम सब जाकर उस पर झूले,
मन में नहीं समाए फुले।।

घर के पास लगा था मेला ,
उसमें आया मिठाई वाला।
हमने जाकर खाई मिठाई,
रसगुल्ला,बर्फी और मलाई।

- खुशी कुमारी
वर्ग - IX
उत्क्र० उ० मा० वि० केवढ़ी

सौजन्य से : बालमन कुदरा

TEACHERS OF BIHAR

बालमन कैमूर

Crossword Puzzle

	M		R					
					E			
								E
				P				

धीरज कुमार
U.M.S. सिलौटा भभुआ कैमूर

TEACHERS OF BIHAR

बालमन कैमूर कविता

प्रीत जहां की रीत सदा

है प्रीत जहां की रीत सदा
मैं यही बतलाने आया हूं
इस मिट्टी में मैं पला बढ़ा
इसी से अज़मत पाया हूं

जहां के ज़र्रे - ज़र्रे में है
वतन परस्ती की खुशबू
जहां वीरों के कंधे पर है
वतन की इज़्ज़त आबरू

जहां के तिफ्ल को हमेशा ही
सच्चाई से रूबरू कराया जाता
झुठ मत बोलो कभी गुनाह है
ऐसा ही सबक पढ़ाया जाता

जहां है बड़े छोटे में अदब
पूछता किसी से हाल जब
मिलता जवाब सदा वही
शुक्रिया है पाल रहा है रब।

एम० एस ० हुसैन "कैमूरी"
शिक्षक सह युवा कवि
उत्क्रमित उच्च माध्यमिक
विद्यालय छोटका कटरा
मोहनियां कैमूर बिहार

नानी का घर

जाएंगे हम जाएंगे , नानी के घर जाएंगे।
गर्मी की हो गई छुट्टियां,मामा लेने आएंगे।
प्यारी नानी बहुत सुहानी ,
कहती हर रोज नई कहानी।
नाना मेरे बहुत हंसाते ,
रोज रसीले आम खिलाते।।
नाना के कंधों पे चढ़ के हाट घुमने जाएंगे।।
जाएंगे हम जाएंगे , नानी के घर जाएंगे ।।
डॉटने वाला कोई नहीं है,
खेलो चाहे दिन और रात।
कोई कुछ भी कहता रहता,
नहीं सुनना किसी की बात।
नहीं डाटती मम्मी भी,गीत खुशी का गाएंगे।
जाएंगे हम जाएंगे , नानी के घर जाएंगे।।
मुझे बहुत अच्छा लगता है,
नाना-नानी के घर आना।
बड़े मजे से छुट्टियां बीतती,
मिलता खुशियों का खजाना।
काश! छुट्टियां बढ़ती जाती, अभी नहीं हम आयेंगे।
जाएंगे हम जाएंगे , नानी के घर जाएंगे ।।

-रौशन कुमार, कक्षा - VIII
उत्क्र0 म0 वि0 भैसौंला

माथा पच्ची

1 मिनट में 5 महापुरुष के उपनाम खोजें और बन जाइए जीनियस।

चा	दा	व	बा	ने	ता	जी	न	रां	झाँ
चा	लौ	रू	बा	क	गा	बा	थु	ची	सी
ती	ह	मि	सा	ई	ल	मैं	न	ब	की
का	पु	री	हे	ला	दि	ल्	ली	छु	रा
पा	रू	स	ब	शि	ता	प्	ती	छी	नी
ह	ष	आ	मा	बा	गु	रू	दे	व	का
बा	बा	सा	ब	पू	म	ती	क	डी	तु

TEACHERS OF BIHAR

बालमन कैमूर

मेरा परिवार

मम्मी की लोरी है भाती।
पापा की है डांट रुलाती ।।
भैया के संग में खूब खेलता।
दीदी को मैं खूब छेड़ता।।
दादा मुझे खूब खेलाते ।
दादी मुझे संस्कार सिखाती।।
छोटा सा मेरा परिवार ।
लगता है प्यारा संसार।

UHS खनेठी भभुआ

ToB बालमन कविता

स फा ई

आओ चलाएं एक अभियान।
हम सब रखे यही ध्यान ।।

साफ सुथरा पहने कपड़ा ।
यहां वहां न फेंके कचड़ा।।

सुबह उठकर रोज नहाए ।
हाथ धोकर खाना खाए।।

ताजी ताजी सब्जी लाए ।
बासी को ना हाथ लगाएं ।।

तन हो सुंदर मन हो सुंदर।
फुर्ती होगी अपने अंदर ।।

चलो उठो ले प्रभु का नाम।
सफाई करना अपना काम।।

मो0 शाहिद(शिक्षक)
उर्दू प्राथमिक विद्यालय
कोहारी(भभुआ)

03 जुलाई

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः ।
गुरुः साक्षात् परब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः ।।

आप सभी को

गुरु पूर्णिमा

की हार्दिक शुभकामनाएं

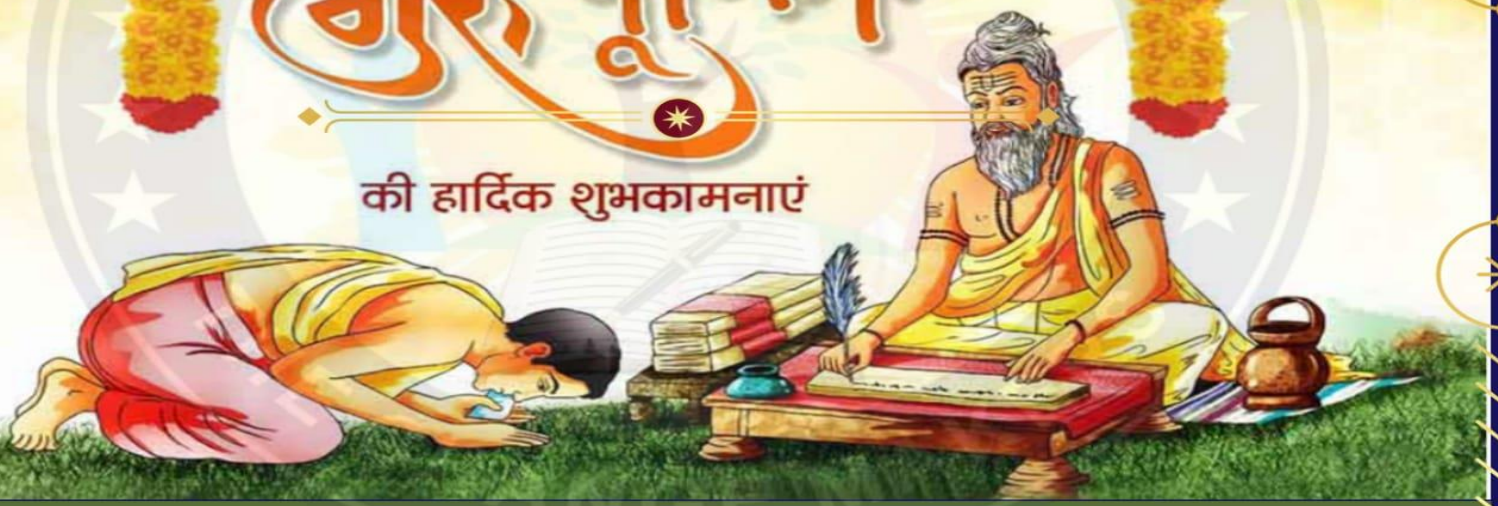

अक्षर-अक्षर हमें सिखाते, शब्द-शब्द का अर्थ बताते
कभी प्यार से कभी डाँट से, जीवन जीना हमें सिखाते

पुनीता कुमारी

ToB बालमन कविता

बच्चा और मोबाईल

एक छोटा बच्चा अपने मम्मी पापा के मोबाइल के उपयोग को किस रूप में देखता है,,,,

घर में मेरा,, दुश्मन कौन?
पापा का मोबाइल फोन।

बुझो मेरा,,, दुश्मन कौन?
मम्मी का मोबाइल फोन।

जब से घर में,,,,आया है।
सबको ही,, उलझाया है।

सदा संग,,,उसे रखते हैं।
मुझको वक्त न,,,,देते हैं।

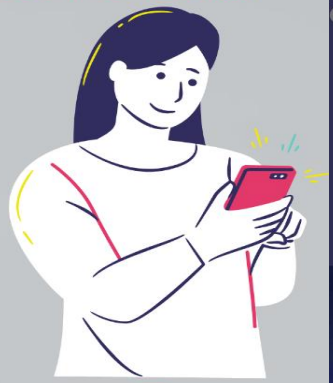

फोन पर खूब बतियाते हैं।
मैं बोलूं,,,,,,,,झूँझलाते हैं।

उनके कॉल बहुत आते हैं।
बात करूं तो,,,गुस्साते हैं।

मोबाइल संग,, घूमने जाते।
मुझको साथ नहीं ले जाते।

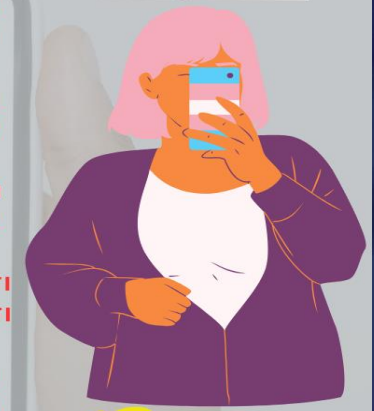

मेरी जरूरत का नहीं है ज्ञान।
मुझ पर कभी न रखते ध्यान।

मेरी शिक्षा,,,,,,, अधूरी है।
उनको मोबाइल जरूरी है।

बदल गए हैं पापा मम्मी।
मुझसे काट रहे हैं कन्नी।

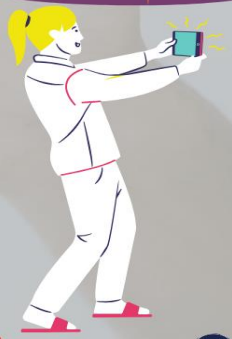

जबसे है मोबाइल आया।
मेरा बचपन है भुलवाया।

दोनों बातें करते,,,, खूब।
मैं तो गया हूं उससे ऊब।

उंगली पकड़ के मुझको चलना सिखाए जो।
आ गया मोबाइल तो,,,, मुझको भुलाए वो।

'दीप'जो लोग मोबाइल के बहुत करीब होते हैं।
अपनों से रिश्ता निभाने में बहुत गरीब होते हैं।
,,,✍ दिलीप गुप्ता 'दीप'

ToB बालमन कविता

चंदा मामा

चंदा मामा चंदा मामा,
हम सब के प्यारे मामा।
काली रात डरावनी लगती,
रात में उजाला कर देते।।
चंदा मामा रोज नहीं आते,
कहां तुम चले जाते।
अंधेरी रात को तुम क्यों नहीं?
रोज रोज भगाते।।
अंधेरी रात जब आए,
हम सब को कुछ नहीं भाए।
मेरी मां जब तुम्हें दिखाएं,
मन में खुशियां दौड़ी आती।।
मामा अपना रूप तुम,
हमेशा बदलते रहते हो।
हम सब सोच में पड़ जाते,
ऐसा तुम जब करते हो।।
मामा जब मैं रोता,
मां तुम्हें दिखाती।
मुझे मनाने के लिए,
लोरी सुनाती।।

अशोक कुमार (शिक्षक)
NPS भटवलिया नुआंव
कैमूर

खेल कॉर्नर

क्रिकेट

2023 का
वनडे वर्ल्ड कप

1. 5 अक्टूबर से 19 नवंबर तक टूर्नामेंट का 13वां एडिशन भारत में खेला जाएगा।

2. इंग्लैंड-न्यूजीलैंड में पहला मैच होगा। ओपनिंग और फाइनल दोनों मुकाबले अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होंगे।

3. 10 टीमें हिस्सा लेंगी। भारत समेत 8 टीमों ने क्वालिफाई कर लिया है। 2 टीमें क्वालिफायर से पहुंचेंगी।

4. सभी टीमें लीग स्टेज में 9-9 मैच खेलेंगी। 46 दिन के टूर्नामेंट में कुल 48 मैच होंगे।

5. भारत में 10 टीमों का वर्ल्ड कप होगा। 2027 से टूर्नामेंट में 14 टीमें शामिल होंगी।

वनडे वर्ल्ड कप तथ्य

वनडे वर्ल्ड कप का पहला मैच 1975 में खेला गया। **हम आपको वनडे वर्ल्ड कप के बारे में बता रहे हैं।**

- 7 जून 1975 को इंग्लैंड और भारत के बीच वनडे वर्ल्ड कप का पहला मैच खेला गया। लॉर्ड्स स्टेडियम में इंग्लैंड ने इसे 202 रन से जीता।
- 39 साल में इस टूर्नामेंट के 15 एडिशन हो चुके हैं। इस बार यह 31 अगस्त से खेला जाएगा। टूर्नामेंट के 4 मैच पाकिस्तान और 9 मैच श्रीलंका में होंगे।
- 1983 तक वनडे वर्ल्ड कप 60-60 ओवर का होता था। 1987 से टूर्नामेंट 50-50 ओवर का होने लगा।
- वनडे वर्ल्ड कप 4 साल में एक बार होता है। अब तक 12 बार हुआ है।
- ऑस्ट्रेलिया ने 5 बार वर्ल्ड कप जीता। भारत, वेस्टइंडीज 2-2 बार चैंपियन बने। इंग्लैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान ने 1-1 बार खिताब जीता।
- सचिन तेंदुलकर ने टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। उनके नाम 45 मैचों में 2278 रन हैं।
- ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्ग्राथ ने टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लिए हैं। उनके नाम 39 मैचों में 71 विकेट हैं।
- पिछली बार 2019 में इंग्लैंड में टूर्नामेंट हुआ। इंग्लैंड ने फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीता।

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

3 जुलाई

मधु प्रिया

अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस 3 जुलाई

अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस विश्व द्वारा बनाया गया था। इसे दुनिया भर में प्लास्टिक बैग के एकल उपयोग से छुटकारा पाने के उद्देश्य से एक विश्वव्यापी पहल के रूप में बनाया गया था। यह हम सभी को प्लास्टिक की थैलियों के उपयोग से दूर रहने और इसके बजाय अधिक पर्यावरण के अनुकूल विकल्पों की तलाश करने के लिए प्रोत्साहित करके पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के बारे में है।प्लास्टिक प्रदूषण एक वैश्विक आपदा है और दुख की बात है कि यह मानव निर्मित है। वैश्विक स्तर पर लगभग 500 बिलियन प्लास्टिक बैग का उपयोग किया जाता है। ज़रा सोचिए कि इनमें से कितने बैग पूरे ग्रह पर फैले होंगे। इसका पर्यावरण, वन्य जीवन और वास्तव में मानव स्वास्थ्य पर अत्यंत हानिकारक प्रभाव पड़ रहा है।विशेष रूप से समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र प्लास्टिक प्रदूषण के परिणामस्वरूप अत्यधिक पीड़ित है। समुद्री स्तनधारियों की 31 प्रजातियों को समुद्री प्लास्टिक निगलने के लिए जाना जाता है, जबकि समुद्री पक्षियों की 100 से अधिक प्रजातियों ने प्लास्टिक की कलाकृतियों को निगला है। 250 से अधिक प्रजातियां प्लास्टिक में उलझ गई हैं, जबकि कुछ समुद्री शेर और सील प्रजातियों में लगभग आठ प्रतिशत की उलझाव दर की खोज की गई है।यह प्रदूषण भी बेहद खतरनाक है क्योंकि यह आक्रामक प्रजातियों के परिवहन के लिए अग्रणी है, जो जैव विविधता पर विनाशकारी प्रभाव डाल सकता है।

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
04 जुलाई
महान राजनीतिज्ञ, शिक्षाविद, अध्यात्म एवं विज्ञान के समन्वयक,आध्यात्मिक सोच के साथ पूरी दुनिया को वेदों और शास्त्रों का ज्ञान देने वाले युगपुरुष
स्वामी विवेकानंद
के पुण्यतिथि पर कोटि-कोटि नमन।
जन्म-12 जनवरी 1863, मृत्यु-4 जुलाई 1992
www.teachersofbihar.org
Madhu priya

ToB बालमन कहानी

वृक्षारोपण

रामशरण जोशी रिटायरमेंट के बाद मोहल्ले के बच्चों के बीच काफी लोकप्रिय हो गये थे। मोहल्ले के लाजपत पार्क में बच्चो के साथ क्रिकेट खेलने और मस्ती करने में साथ देते थे। बिंदास ज़िन्दगी था उनका कारण था कि बेटे की अच्छी खासी नौकरी थी। पत्नी को किसी भी चीज की कमी नहीं थी ।बहू विद्यालय में शिक्षिका थीं। एकलौता पोता शेखर था जो दादाजी का सबसे प्रिय था।शेखर के दोस्तों से खूब बनतीं थी।इसका कारण साफ था।अच्छी खासी मासिक आमदनी और शरीर से दुबला-पतला और व्याधियों से दूर रामशरण बाबू को किसी पर आश्रित नहीं रहना पड़ा था। इसलिए वो अक्सर बच्चों को बहुत प्यार करतें और फिर उन्हें लगभग एक दो दिन के अंतराल में चॉकलेट और टॉफी का उपहार देते रहते थे। क्रिकेट खेलने के समय छक्के लगाने वाले बच्चे को पचास रुपए और चौका लगाने वाले को दस -दस रुपए का चॉकलेट ईनाम के रूप में देते थे।रायसिंहनगर में रामशरण जोशी की खूब चर्चा होती रहती थी। एक दिन लाजपत पार्क में बच्चों के साथ क्रिकेट खेलने के बाद सब बच्चों को पार्क में बिठाकर एक सुंदर पहल किए।

उन्होंने कहा की हम-सब पेड़ लगाए और इसे उत्सव के रूप मनाए।उन्होंने कहा कि वे शांति वन के रेंज आफिसर से बातें कर लिए हैं। हम -सब मिलकर इस दिन करीब सौ पौधें लगाएंगे।पौधे की व्यवस्था हमें करना होगा।यह सब काम हम-सब मिलकर बांट लेते हैं।हम शेखर को पौधे लाने का यह महत्वपूर्ण दायित्व देते हैं।हमने तीन दिन पहले ही नरेन नर्सरी से बातचीत पूरी तरह कर ली है।शेखर अपने दो साथियों के साथ नर्सरी से पौधे लाएगा।पर्यावरण दिवस के लिए मैंने एक बैनर बनाने का आदेश समीर फोटो गैलरी को दे दिया है। भुगतान भी कर दिया हूं।नंदू और रमेश सुबह-सुबह जाकर वहां से तैयार बैनर लाएंगे।रामशरण जोशी जी ने अपने ड्राइवर यश को शांतनु और महेश के साथ जाकर अपनी कार में पेट्रोल भरवाने का निर्देश दिए। रामू को वहीं पांच हजार रुपए भी दिए।

सपन मजुमदार और देवेन्द्र मूर्ति को जंगल तक जाने के रास्ते के लिए स्नैक्स की खरीद कर उसे कार में रखने का जिम्मा दिया गया।दो दिन पहले ही रेंज आफिसर को वन महोत्सव में आने वाले बच्चों के खाने की व्यवस्था करने का अनुरोध कर चुके थे। उन्होंने उसपर होने वाली खर्च का भुगतान भी कर दिया था। तय समय पर सब बच्चों ने अपनी -अपनी अपना भूमिका निभाई।मोहल्ले से रामशरण जोशी की टीम इनोवा कार से निकलीं।

कार के सामने पर्यावरण दिवस का बैनर लगाया गया था।रास्ते में बच्चों के संग रामशरण जोशी ने भी खूब मस्ती की। शेखर के दोस्तों की यह कोशिश बड़ी काम आई।सही समय पर सब बच्चे शान्ति वन में थे। एक दिन पहले ही शान्ति वन में में पौधे के लिए गड्ढे खोद ली गई थी।

फिर सब बच्चों ने रामशरण जोशी के अगुवाई में पौधे लगाए। पांच पौधे रेंज आफिसर और फोरेस्ट गार्ड से भी लगवाया गया।फिर वन के कर्मियों के सहयोग से पौधे को पानी दिया गया।शेखर हर बच्चे के पौधे रोपने के वक्त की तस्वीर मोबाइल पर ले लिया था।दो घंटे तक यह सुखद कार्यक्रम चला।फिर हुड़दंग मचाने वाले बच्चों की टीम ने भांगड़ा नृत्य किया।शेखर ने पेड़- पौधे पर लिखी एक कविता का पाठ किया।इसे सबने खूब सराहा।शानदार तरीके से पौधारोपण कार्य सम्पन्न हुआ।रामशरण जोशी ने पर्यावरण को स्वच्छ रखने की गहरी बातें बताई।फिर वन पदाधिकारियों के लिए बनाए गए गेस्ट हाउस में ख़ान पान की व्यवस्था पूरी की गयी।सब लोग रामशरण जोशी के एनोवा कार से घर लौट आएं।शेखर ने स्थानीय अखबार को शान्ति वन में लगाए गए पौधे की तस्वीर भेज दी थी। सुबह-सुबह अखबार में रायसिंहनगर में रामशरण जोशी और उसके पोते शेखर सहित सब मोहल्ले के बच्चों की तस्वीर प्रथम पृष्ठ पर छपी थी।मोहल्ले वाले यह देखकर बड़े आश्चर्यचकित थे।पूरे मोहल्ले में आज़ शेखर और उसकी टीम की चर्चा थी।यह सबकुछ बुजुर्ग रामशरण जोशी के कारण ही सम्भव हो सका था। आज़ शेखर का वन महोत्सव मोहल्ले में चर्चा का विषय बना हुआ हैं।

डॉ० अशोक
पटना, बिहार

गणित कॉर्नर

क्षेत्रफल(AREA)

समतल आकृति में सीमा रेखाओं से घिरी हुई समतल सतह के क्षेत्र को उस आकृति का क्षेत्रफल कहते है। क्षेत्रफल की इकाई को वर्ग-इकाई अर्थात् वर्ग मीटर,वर्ग सेमी आदि में व्यक्त किया जाता है।

कुछ प्रमुख आकृति आयत और वर्ग का क्षेत्रफल:-

1.आयत

आयत का क्षेत्रफल = लम्बाई ×चौड़ाई
=6सेमी ×4सेमी
=24 वर्ग सेमी

2.वर्ग

वर्ग का क्षेत्रफल = भुजा×भुजा
=4सेमी ×4सेमी
=16 वर्ग सेमी

धीरज कुमार
प्रधान संपादक
ToB बालमन

ToB बालमन आपदा प्रबंधन

कविता

शीर्षक : बाढ़ आया

नदी का पानी घर में आया,
पूरा गांव तब चिल्लाया ।
बाढ़ आया भाई बाढ़ आया ।
बाढ़ आया भाई बाढ़ आया ।

दादी को अंदाजा पहले,
ही था बाढ़ को आने का ।
जरूरी चीजों का दादी ने,
झोला दिया बनाने का ।
रखा उसमें रेडियो,टॉर्च ,
रस्सी,माचिस,कपड़ा,भोजन,
दवा,पैसे और मेरी पुस्तकें,
छाता,नमक और हैलोजन।
जरूरी कागज,फोन नंबर,
महंगी चीजें भी ले आया ।।
बाढ़ .....।।

मवेशियों को खोल छोड़ हम,
लाठी टेककर निकल पड़े ।
जहां सबसे ऊंचा स्थान था ,
वहां पर हम सब शरण लिए।
उच्च नीच और धनी गरीब सब,
एक जगह ही रहने लगे ।
आपस में सब द्वेष भूलकर,
हंसी - कहकहे लगने लगे ।
ऐसा लगता उसी जगह पर,
रहने हिंदुस्तान आया ।।
बाढ़ .....।।

कमलेश कुमार,
मध्य विद्यालय केवढ़ी,
प्रखंड-कुदरा, जिला-कैमूर

विज्ञान कॉर्नर

मनुष्य का पाचनतंत्र

Class 10 Biology

मनुष्य का आहारनाल मुख से शुरू होकर मलद्वार तक होती है।
इसकी लंबाई करीब 8 से 10 मीटर तक की होती है।

1. मुख (Mouth) -

यह आहार नाल का प्रथम भाग है जहाँ से भोजन का प्रवेश होता है।

2. मुखगुहा (Buccal Cavity) -

मुख मुखगुहा में खुलता है जहाँ भोजन का पहला पाचन होता है।
मुखगुहा में लार ग्रंथि लार स्रावित करती है।
लार (Saliva) में एक विशेष प्रकार का एंजाइम पाया जाता है जिसे टायलिन (Ptyalin) कहते हैं।

स्टार्च + टायलिन ⟶ माल्टोज

लार ग्रंथि 3 जोड़े में पाई जाती है।

राजेश कुमार सिंह

जैवप्रक्रम: मनुष्य का पाचन तंत्र

अमाशय

कक्षा 10 जीवविज्ञान

हाइड्रोक्लोरिक अम्ल :

(1) जठर रस में उपस्थित हाइड्रोक्लोरिक अम्ल भोजन में उपस्थित सूक्ष्म जीवों को मार देता है।
(2) यह भोजन को अम्लीय बना देता है।
(3) यह पेप्सिन एंजाइम को सक्रिय बना देता है।

पेप्सिन एंजाइम:

यह पेप्सिन एंजाइम भोजन में उपस्थित प्रोटीन को पचाने में मदद करता है। यह प्रोटीन को पेप्टोन और प्रोटिओजेज में तोड़ देता है।

रेनिन एंजाइम

छोटे शिशु में दुग्ध प्रोटीन (केसिन) को पचाने के लिए रेनिन नाम का एंजाइम पाया जाता है। यह केसिन रेनिन एंजाइम की उपस्थिति में टूटकर पाराकेसिन में बदल जाता है।

फोटो ऑफ द मंथ (भाग 1)

U M S. ARRA MOHANIYA

U.M..S. SILAUTA BHABUA

U.H.S. KOHARI BHABUA

फोटो ऑफ द मंथ (भाग 2)

Project shanti balika +2 high school Mohaniya

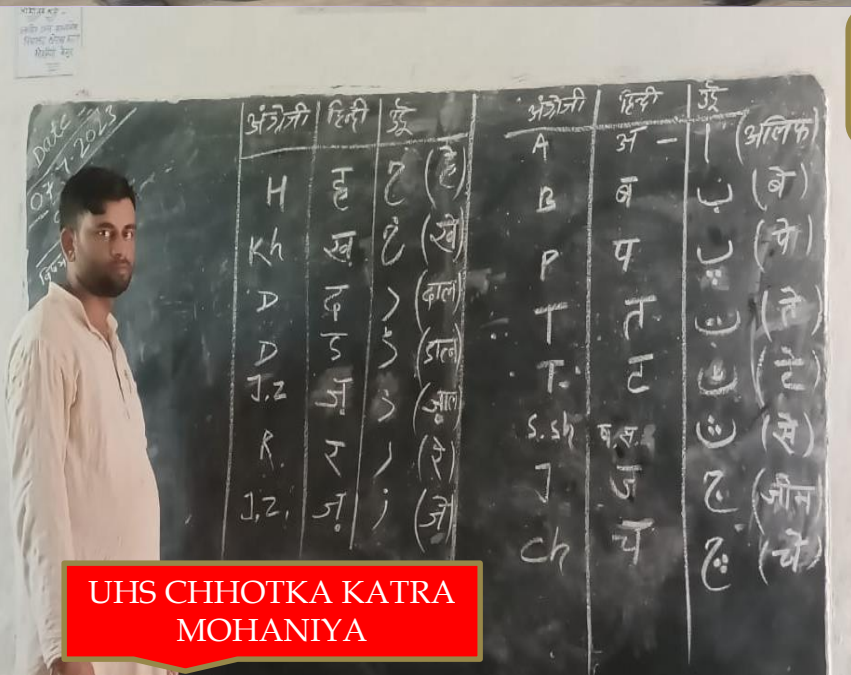

UHS CHHOTKA KATRA MOHANIYA

UMS PARMALPUR BHABUA

इसे भी जानें...

Teachers of Bihar
The Change Makers
राकेश कुमार

शिक्षा शब्दकोश

[redacted]

पाठानुसंधान

पाठानुसंधान या पाठ-शोध ऐसी बौद्धिक और वैज्ञानिक विधि है, जिससे पाठ के संबंध में निर्णय देते हुए मूलपाठ का निर्धारण किया जाता है। कुछ लोग इसे साहित्यिक आलोचना का अंग भी मानते हैं। पाठ से तात्पर्य उस लेख से है, जो किसी भाषा में लिपिबद्ध हो, जिसका अर्थ ज्ञात हो या नहीं भी हो सकता है।

www.teachersofbihar.org

चर्चा में हैं आप...आपके प्रतिभा को मिला सम्मान

एजुकेशनल न्यूज बाल मंच शिक्षा ही सर्वोपरि पटना, रविवार 25.06.2023 06

बच्चों की कलाकृति

प्यासा कौवा

किंजल कुमारी वर्ग -6 ,मध्य विद्यालय जरही रोसड़ा समस्तीपुर (बिहार)

बालमन्च सामान्य ज्ञान

- विश्व कवि या कवि गुरु के नाम से किसे जाना जाता है? रविंद्रनाथ टैगोर
- संकुशलतापूर्वक शब्द का सही रूप क्या होगा? कुशलतापूर्वक
- स्वरी भाषों की संख्या कितनी है? 33
- 'सत्संग करो सदाचारी बनो' में कौन सा वाक्य है? विधिवाचक
- समास का शाब्दिक अर्थ क्या होता है? संक्षेप
- सांसारिक वस्तुओं को प्राप्त करने की इच्छा वाक्य के लिए उपयुक्त शब्द क्या है? एषणा
- सुमित्रानंदन पंत की किस कृति को ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला है? चिदंबरा
- सूरदास के गुरु कौन थे? वल्लभाचार्य
- 'स्मृति की रेखाएं' किसकी कृति है? महादेवी वर्मा
- हिंदी गद्य का जन्मदाता किसको माना जाता है? भारतेंदु हरिश्चंद्र
- हिंदी दिवस किस तिथि को मनाया जाता है? 14 सितंबर
- हिंदी भाषा की बोलियों के वर्गीकरण के आधार पर छत्तीसगढ़ी बोली है? पूर्वी हिंदी
- हिंदी भाषा की सबसे छोटी इकाई कौन सी है? वर्ण
- हिंदी भाषा के विकास का प्रारम्भिक काल कब माना जाता है? 1000 ई. से 1500 ई.
- हिंदी भाषा के विकास का सही अनुक्रम कौन–सा है? पालि प्राकृत अपभ्रंश हिंदी
- 'हिंदी भाषा' वाक्य का अर्थ क्या होता है? गोल पेशा
- हिंदी में मूलतः वर्णों की संख्या कितनी होती है? 52
- हिंदी साहित्य के आदिकाल को आचार्य शुक्ल ने क्या नाम दिया है? वीरगाथा काल
- हिंदी साहित्य में प्रयोगवाद के प्रवर्तक कौन है? अज्ञेय
- 'हिमालय से गंगा निकलती है' वाक्य में कौन सा कारक है? अपादान कारक

कविता

हमारी सहेली किताब

हर पल हमारे साथ रहती,
न कुछ कहती, न कुछ सुनती।
बस हमें समझाती रहती,
हमारी सहेली बहुत ही अच्छी।

ज्ञान की बात हमें सिखाती,
बैठे - बैठे हमें दुनिया की सैर कराती।
हर प्रशन का जवाब है देती,
कभी ना हम से नाराज़ होती।

यह है जीवन में बहुत ही खास,
इसका करो तुम एहसास।
अच्छी किताबों पर करो विश्वास,
रखो तुम इसको अपने पास।

बिना मोल के देती ज्ञान,
इस का करो तुम सम्मान।
इसे न समझो बेजान,
इसी से तो हम बनते महान।

जीवन का हर रंग समझाती है,
वही तो हमें सही रास्ता दिखाती है।
पन्ने - पन्ने मिलकर एक किताब बन जाती है,
तभी तो यह हमरी अच्छी सहेली कहलाती है।।

नाम - अक्सा नाज, कक्षा - 10, ठाकुरगंज

सोनभद्र एक्सप्रेस 12

बालमंच

बाल कथा

बालमन्च सामान्य ज्ञान

प्यासा कौवा

एजुकेशनल न्यूज बालमंच शिक्षा ही सर्वोपरि पटना, रविवार 09.07.2023 06

बालमन्च सामान्य ज्ञान

1. जय जवान जय किसान
- लाल बहादुर शास्त्री
2. मारो फिरंगी को
- मंगल पांडे
3. जय जगत
- विनोबा भावे
4. कर मत दो
- सरदार बल्लभभाई पटले
5. संपूर्ण क्रांति
- जयप्रकाश नारायण
6. विजय विश्व तिरंगा प्यारा
- श्यामलाल गुप्ता पार्षद
7. वंदे मातरम
- बंकिमचंद्र चटर्जी
8. जय गण मन
- रवींद्रनाथ टैगोर
9. साम्राज्यवाद का नाश हो
- भगत सिंह
10 स्वराज्य हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है
- बाल गंगाधर तिलक
11. इंकलाब जिंदाबाद
- भगत सिंह
12. दिल्ली चलो
- सुभाषचंद्र बोस
13. करो या मरो
- महात्मा गांधी
14. जय हिंद
- सुभाषचंद्र बोस
15. पूर्ण स्वराज
- जवाहरलाल नेहरू
16. हिंदी, हिंदू, हिंदुस्तान
- भारतेंदु हरिशचंद्र
17. वेदों की ओर लौटो
- दयानंद सरस्वती
18. आराम हराम है
- जवाहरलाल नेहरू
19. हे राम
- महात्मा गांधी
20. भारत छोड़ो
- महात्मा गांधी
21. सरफरोशी की तम्मना अब हमारे दिल में है
- रामप्रसाद बिस्मिल
22. सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां हमारा
- इकबाल
23. तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा
- सुभाषचंद्र बोस
24. साइमन कमीशन वापस जाओ
- लाला लाजपत राय
25. यू लिव्स इफ इंडिया डाइज
- जवाहरलाल नेहरू

कागज की साइकिल मध्य विद्यालय अखलासपुर कैमूर

सभ्यता कुमारी, वर्ग 8, उत्क्रमित मध्य विद्यालय खजरा कैमूर

Shraddha Jha High school Rama

बालमंच

सोनभद्र एक्सप्रेस पटना, रविवार 09 जुलाई 2023

बालमन्च सामान्य ज्ञान

दिवस विशेष

मधु प्रिया

विश्व पेपर बैग दिवस 12 जुलाई

प्लास्टिक प्रदूषण के बारे में जागरूकता फैलाने और पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए हर साल 12 जुलाई को विश्व पेपर बैग दिवस मनाया जाता है। पेपर बैग का उपयोग, जो आसानी से रिसाइकिल किया जा सकता है, प्लास्टिक कचरे को कम करने में मदद करेगा जिसे विघटित होने में वर्षों लग जाते हैं, जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है। प्लास्टिक बैग के बजाय पेपर बैग के उपयोग के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने प्लास्टिक प्रदूषण के बारे में जागरूकता फैलाने और पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए हर साल 12 जुलाई को विश्व पेपर बैग दिवस मनाया जाता है। पेपर बैग का उपयोग, जो आसानी से रिसाइकिल किया जा सकता है। प्लास्टिक कचरे को कम करने में मदद करेगा जिसे विघटित होने में वर्षों लग जाते हैं, जिससे पर्यावरण प्रदूषण होता है। पेपर बैग्स का इस्तेमाल इन दिनों लेटेस्ट ट्रेंड बन गया है।पर्यावरण की स्थिति को देखते हुए अब प्लास्टिक बैन कर दिया गया है और पेपर बैग्स एक अच्छे विकल्प के रूप में सामने आया हैं। पेपर बैग का व्यावसायिक निर्माण पहली बार 1844 में इंग्लैंड में किया गया था। हालाँकि, पेपर बैग का बड़े पैमाने पर उत्पादन करने वाली मशीन का आविष्कार सबसे पहले 1852 में एक स्कूल शिक्षक फ्रांसिस वोले ने किया था। उन्होंने और उनके भाई ने अपनी मशीन का पेटेंट कराया और यूनियन पेपर बैग कंपनी की स्थापना की।

धनराज पिल्ले का जन्म 16 जुलाई

धनराज पिल्ले का जन्म 16 जुलाई 1968 को हुआ था। तमिल परिवार में जन्मे पिल्ले ने 1989 में राष्ट्रीय टीम के साथ पदार्पण किया और 15 साल से अधिक के करियर में, भारत के लिए चार ओलंपिक खेलों , विश्व कप और चैंपियन ट्राफियों में से प्रत्येक में भाग लिया। उन्होंने राष्ट्रीय टीम के लिए 339 प्रदर्शन किए और अनौपचारिक रूप से 170 गोल करने के लिए रिकॉर्ड किया गया। वह मलेशिया , फ्रांस , इंग्लैंड और जर्मनी जैसे देशों के क्लबों के लिए भी खेले । उनकी उपलब्धियों को स्वीकार करते हुए, उन्हें 2000 में भारत सरकार द्वारा पद्म श्री से सम्मानित किया गया। वे आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए। फरवरी 2014 में और अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की एक फील्ड हॉकी खिलाड़ी और भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान हैं। इस समय वे भारतीय हॉकी टीम के प्रबंधक हैं। साथ ही, वे कंवर पाल सिंह गिल के निलंबन के पश्चात निर्मित भारतीय हॉकी फेडरेशन की अनौपचारिक (एडहॉक) समिति के सदस्य भी हैं।

STUDENT OF THE MONTH

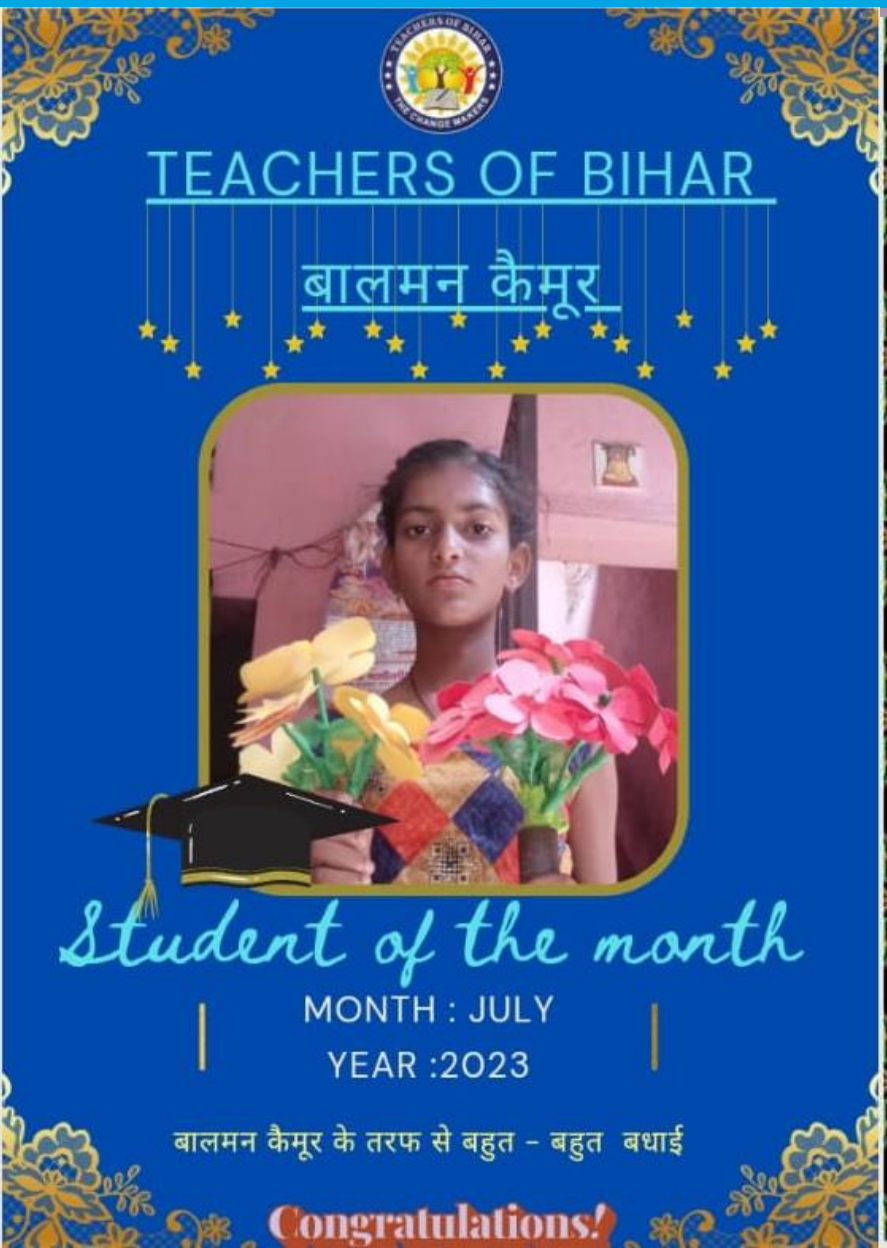

TEACHERS OF BIHAR

बालमन कैमूर

CERTIFICATE

OF APPRECIATION

THIS AWARDED TO CERTIFY THAT

ANUPRIYA KUMARI

Student of the month
JULY 2023

उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय कटरा कला, मोहनियां (कैमूर)

विद्यालय की गतिविधियों में अच्छी भागीदारी के साथ कलात्मक शिक्षा के साथ कबाड़ से जुगाड द्वारा सजावटी सामान निर्माण से उत्कृष्ट कार्य के लिए "स्टूडेंट ऑफ द मंथ " से सम्मानित किया जाता है।

बीरज कुमार

www.teachersofbihar.org

TEACHERS OF BIHAR

बालमन कैमूर पत्रिका के तरफ से बहुत बहुत बधाई

TEACHER OF THE MONTH

JULY 2023

शिक्षक परिचय

TEACHER OF THE MONTH

जुलाई 2023

नाम : एम० एस० हुसैन कैमूरी

शिक्षक सह युवा कवि

विद्यालय: उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय छोटका कटरा मोहनियां कैमूर

मूल नाम मो० सद्दाम हुसैन

चेतना सत्र में हर दिन अलग-अलग प्रार्थना एवं दिवस विशेष की जानकारियां उपलब्ध कराना, गतिविधि और खेल के माध्यम से बच्चों को पढ़ाना ।समय समय पर बच्चों में प्रतियोगिता कराना एवं उन्हें सम्मानित करना ।हिंदी,उर्दू और अंग्रेजी तीनों भाषा की शुरुआती समझ विकसित करना

शिक्षण के साथ साथ साहित्य में अभिरुचि रखना सह कविता लिखना एवं बच्चों में साहित्य की समझ विकसित करना।

विशेष

* TOB के साईट पर लगभग 100 का रचनाओं का प्रकाशन
* 7 जून 2023 को नेपाल में अपना काव्यपाठ कर अंतर्राष्ट्रीय मैत्री सम्मान से सम्मानित ।

Congratulations

TEACHERS OF BIHAR

BAALMAN KAIMUR

TEACHER OF THE MONTH

JULY 2023

M. S. HUSSAIN

उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय छोटका कटरा मोहनियां (कैमूर)

चेतना सत्र में हर दिन अलग-अलग प्रार्थना एवं दिवस विशेष की जानकारियां,कलात्मक प्रतिभा को आगे बढ़ाने,बच्चों में साहित्य की समझ विकसित करना और नवाचारी शिक्षा में उत्कृष्ट भागीदारी के लिए बाल मन कैमूर पत्रिका के द्वारा आपको टीचर ऑफ द मंथ की उपलब्धि प्राप्त करने पर सर्टिफिकेट प्रदान किया जाता है।हम आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते है।

धीरज कुमार
बालमन कैमूर पत्रिका
प्रधान संपादक

Thank You

अपने सुझाव और जवाब मोबाइल नंबर
9431680675 पर दे सकते है।